



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 213]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 30, 2001/वैशाख 10, 1923

No. 213]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 30, 2001/VAISAKHA 10, 1923

पोत परिवहन मंत्रालय

MINISTRY OF SHIPPING

(पत्तन पक्ष)

(Ports Wing)

अधिसूचना

NOTIFICATION

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2001

New Delhi, the 30th April, 2001

सा. का. नि. 304(अ).—केन्द्र सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 3 की उप-धारा (6) के साथ पठित धारा 10 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री फनी दत्त के स्थान पर श्री समीर कुमार घोष को बंगाल राष्ट्रीय वाणिज्यिक और उद्योग चैम्बर का प्रतिनिधित्व करने के लिए कलकत्ता पत्तन के न्यासी बोर्ड में 31-03-2002 तक न्यासी नियुक्त करती है और भारत सरकार के तत्कालीन जल-भूतल परिवहन मंत्रालय (पत्तन पक्ष) की अधिसूचना सा. का. नि. सं. 278(अ) दिनांक 31-03-2000 में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

2. उक्त अधिसूचना की क्रम सं. 17 और तत्संबंधी प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम सं. और प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी :—

“17. श्री समीर कुमार घोष : बंगाल राष्ट्रीय वाणिज्यिक और उद्योग चैम्बर का प्रतिनिधित्व करने के लिए।”

[फा. सं. पी. टी.-18011/2/99-पी. टी.]

के. वी. राव, संयुक्त सचिव

G.S.R. 304(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 10 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) read with sub-section (6) of section 3 thereof, the Central Government hereby appoints Shri Samir Kumar Ghosh in place of Shri Fani Dutta as Trustee to represent the Bengal National Chamber of Commerce and Industry on the Board of Trustees for the Port of Calcutta upto 31-03-2002 and makes the following amendment in the Notification of the Govt. of India in the erstwhile Ministry of Surface Transport (Ports Wing) G.S.R. No. 278 (E) dated 31-3-2000.

2. In the said notification serial No. 17 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely :—

“17. Shri Samir Kumar Ghosh . Representing the Bengal National Chamber of Commerce and Industry.”

[F. No. PT-18011/2/99-PT]

K V RAO, Jt. Secy.

